मिशन मौसम

[स्रोत: IE](#)

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्वानुमानों और तात्कालिक पूर्वानुमानों की सटीकता में सुधार लाने हेतु अगले दो वर्षों के लिये **2,000 करोड़ रुपए के परिव्यय** के साथ **'मिशन मौसम' को मंज़ूरी** दी है ताकि चरम मौसमी-घटनाओं तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अनुमान करने एवं उनसे निपटने की भारत की क्षमता को बढ़ाया जा सके।

- **फोकस क्षेत्र:** इसमें **सटीकता, मॉडलिंग, रडार, उपग्रह** और सटीक कृषि पूर्वानुमान शामिल हैं।
  - इससे नागरिकों सहित हितधारकों को चरम मौसम की घटनाओं तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी तथा समुदाय की आघात सहनीयता बढ़ेगी।
- **मिशन के घटक:**
  - उन्नत सेंसरों के साथ नेक्स्ट जेनरेशन रडार और उपग्रह प्रणालियों की तैनाती
  - उन्नत पृथ्वी प्रणाली मॉडल का विकास
  - रियल टाइम डेटा साझा करने के लिये GIS-आधारित स्वचालित निर्णय समर्थन प्रणाली
- **कार्यान्वयन और समर्थन:** मिशन का **कार्यान्वयन भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान तथा राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र** द्वारा किया जाएगा **– जो** पृथ्वी **विज्ञान** मंत्रालय (MoES) के तहत तीन प्रमुख संस्थान हैं।
  - इस मिशन को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अन्य निकायों— **भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र**, **राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र** तथा **राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान** द्वारा समर्थन दिया जाएगा।
- **क्षेत्रीय लाभ:** इससे कृषि, आपदा प्रबंधन और रक्षा में निगरानी एवं पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार होगा, साथ ही ऊर्जा व जल संसाधन प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त इससे सुरक्षित विमानन को बढ़ावा मिलेगा तथा संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

अधिक पढ़ें: [भारत का समुद्री इतिहास](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mission-mausam